निपटाकर वह घर लौटा और खा-पीकर रात में थका-थकाया बिस्तर पर लेटा तो एक बार आँखें बंदकर व दोनों हाथ जोड़कर बोला–"भगवान! मुझे एक तेरा ही सहारा" और वह सो गया। नारद जी बड़े नाराज़ हुए, लेकिन हैरान भी हुए कि यह उनका कैसा भक्त है, जिसे वे अपना सबसे बड़ा भक्त बता रहे हैं?

विष्णुलोक वापस आकर नारद जी ने विष्णु भगवान को उस आदमी का

आँखों-देखा हाल सुनाया तो विष्णु भगवान ने पूछा–"नारद! तुमने रास्ते में कितनी बार अपने भगवान को याद किया?" नारद जी बोले–"वाह! यह कैसे हो सकता था? मेरा पूरा ध्यान तो तेल के कटोरे की ही तरफ था, डर था कि कहीं तेल गिर न जाए।"

विष्णु भगवान ने कहा–"बताओ उस आदमी को संसार के कितने काम करने हैं, फिर भी समय निकाल कर एक बार रोज़ मुझे याद करता है। यह क्या बड़ी बात नहीं?" विष्णु भगवान की बात सुनकर नारद जी की आँखें खुल गईं और सोचा वही सच्चा भक्त है, जो भगवान से कुछ माँगता नहीं। नारद जी की शंका दूर हो गई और वे हरि भजन करने लगे।

❑❑

Stepping Stone
School (High)
Class- IV
Sub - 2nd Lang. (Hindi)

Worksheet no. 10 06.5.2020 Time limit: 30 min.

बच्चों, दिये गए पाठ के अगले हिस्से में बताया जा रहा है कि मनुष्य का कर्म (काम) ही उसकी सबसे बड़ी पूजा है। जो मनुष्य कर्म करते हैं उन्हे किसी से कुछ माँगने की आवश्यकता नहीं पड़ती, वे स्वयं अपने कर्मों द्वारा उसे प्राप्त कर लेते हैं। जैसे पाठ में नारद जी अपने तेल के कटोरे का ध्यान रखने के चक्कर में विष्णु जी का जप करना भी भूल गए। जब विष्णु ने उन्हें समझाया कि 'वह किसान इतना काम करने के बाद भी एक बार ईश्वर को जरूर याद करते।' तब नारद जी को सच्चे भक्त की बात समझ आई कि - जो अपना काम मन लगाकर करता है वही ईश्वर का सच्चा भक्त है।

I रेखांकित वर्तनी को पेपर पीठ पर उतारें और याद करें।

II दिये गए प्रश्नों का उत्तर स्वयं लिखें।

(क) नारद के मन में क्या विचार आया?

(ख) विष्णु भगवान ने नारद को हाथ में क्या लेकर पूरे संसार का भ्रमण करने को कहा?

(ग) विष्णु भगवान ने नारद को क्या शर्त बताई?

(घ) नारद मृत्युलोक जाकर क्या देखकर हैरान हो जाते हैं?

(ङ) नारद को वह आदमी सच्चा भक्त कब लगा?

III शब्दार्थ (1) निपटाकर = समाप्तकर (2) शंका = संशय